टैनेजर-1 का प्रक्षेपण

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में **राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन** **(National Aeronautics and Space Administration- NASA)** ने कार्बन डाइऑक्साइड और **मीथेन** के प्रमुख उत्सर्जकों का पता लगाने के लिये टैनेजर-1 उपग्रह (Tanager-1 Satellite) लॉन्च किया।

- टैनेजर-1 पृथ्वी की **सतह से परावर्तित प्रकाश की तरंगदैर्घ्य को मापने के लिये इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर** प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगा।
  - मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड प्रकाश की **विभिन्न तरंगदैर्घ्य को अवशोषित** करते हैं तथा **वर्णक्रमीय "फिंगरप्रिंट" छोड़ते** हैं, जिन्हें इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर पहचान सकता है।
- यह **वैश्विक स्तर** पर **व्यक्तिगत सुविधाओं और उपकरणों** के स्तर तक बिंदु-स्रोत उत्सर्जन को मापने में सक्षम होगा।
- इससे पहले नासा ने **मीथेनसैट** लॉन्च किया था, जो मीथेन उत्सर्जन पर नज़र रखता है और उसे मापता है।
- **मीथेन:** मीथेन एक शक्तिशाली **ग्रीनहाउस गैस** है और कार्बन डाइऑक्साइड के बाद ग्लोबल वार्मिंग में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। यह वैश्विक तापन के 30% के लिये ज़िम्मेदार है।
  - **संयुक्त राष्ट्र** पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार 20 वर्षों की अवधि में यह **कार्बन डाइऑक्साइड** की तुलना में **80 गुना अधिक तापमान वृद्धि** करने में सक्षम है।
  - यह **ज़मीनी स्तर पर ओज़ोन** के निर्माण में भी योगदान देता है, जो एक रंगहीन और अत्यधिक उत्तेजक गैस है, जो पृथ्वी की सतह के ठीक ऊपर बनती है।

और पढ़ें: ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिये मीथेन शमन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/launch-of-tanager-1